GURULUL FOUNDATION OF EDUCATION & RESEARCH TRUST

(A Global Institute of Education and Charity)

Near Shishu Shiksha Prabandh Samiti, Congress Maidan Road,
Kadamkuan, Patna - 800003

Letter No: Mobile : 9470591850 , 9431060980, 9304973707 Date :

AFFILIATION BYE- LAWS (संबद्धता नियमावली)

हमारा लक्ष्य एवं हमारी दृष्टि (Our Vision & Mission)

1. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट (Gurukul Foundation of Education & Research) शिक्षा और सेवा के लिए समर्पित एक स्वयंसेवी चैरिटेबल संस्था है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से अनुप्राणित कार्यकर्ताओं ने भारतीयता एवं भारतीय जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षा एवं सेवा कार्य की दृष्टि से इस ट्रस्ट का गठन किया है। इसका मुख्य कार्य शिक्षा क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता युक्त ऐसे शिक्षण संस्थान या शिक्षा और सेवा कार्य करने वाले संस्थाओं का समूह निर्माण करना है जो शिक्षा क्षेत्र में भारतीय जीवन मूल्यों के संरक्षण को कटिबद्ध हैं और प्राचीन भारतीय संस्कृति को शिक्षा और सेवा का आधार मानकर आधुनिक शिक्षा का एक श्रेष्ठ प्रतिमान स्थापित करना चाहते हैं।

2. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट का स्वरूप गैर मालिकाना एवं अलाभकारी है। इसमें शिक्षाविद्, कलाकार, प्रशासक, समाज सेवी एवं कई विशिष्ट हस्तियों का सेवा एवं सामाजिकता के भाव से योगदान है। ट्रस्ट के कार्य का आधार पारिवारिक भाव, स्नेह और आत्मीयता है। इससे जुड़ी संस्थाओं का अधिकतम विकास हो और समाज में वे आदर्श के रूप में प्रतिष्ठित हो सकें, यह हमारी प्रतिबद्धता है।

3. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट शिक्षा के क्षेत्र में नए विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं तकनीकि शिक्षा संस्थानों को खोलकर उनका संचालन अपने उद्देश्यों के अनुरूप करता है तथा ऐसे चल रहे शिक्षण संस्थानों को संबद्धता प्रदान कर उनके शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास की पृष्ठभूमि तैयार करता है। संबद्धता प्राप्ति के पश्चात संस्थाओं का विकास एकांगी और स्थानीय आधार पर ही न सिमट कर संगठनात्मक दृष्टि से सबल एवं गुणवत्ता और कौशलों की दृष्टि से राज्य स्तरीय बनने लगता है।

4. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट का उद्देश्य सेवा एवं समाज जागरण के क्षेत्र में भी कार्य करना है। समग्र ग्राम विकास के ऐसे कार्यक्रम जिसमें गरीब, वंचित एव उपेक्षित क्षेत्र के लोगों को शिक्षा और रोजगार से जोड़कर उन्हें विकास की मुख्य धारा में लाया जा सकें – गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट का लक्ष्य है। इसके लिए सेवा केंद्रों का संचालन, स्वयं सहायता समूह निर्माण , सिलाई कटाई का प्रशिक्षण आदि कार्यक्रमों के माध्यमों में उन्हें स्वावलंबी बनाने की योजना है, साथ ही उन्नत कृषि व्यवस्था, औषधियों पौधों की खेती, गोवंश का संरक्षण एवं संवर्द्धन कर स्तरीय गोशाला संचालन एवं डेयरी प्रोजेक्ट, पर्यावरण संरक्षण, गृह उद्योग आदि गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट के आगामी कार्यक्रम हैं जिन्हें हम क्रमशः अपनी योजनानुसार साकार करने वाले हैं।

शिक्षण संस्थानों को संबद्धता देने के नियम :

z

निम्नलिखित नियमों का अनुपालन कर कोई भी विद्यालय अथवा शिक्षा या सेवा के क्षेत्र में कार्यरत कोई संस्था या संगठन गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट से संबद्ध हो सकता है।

1. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट से संबद्ध होने वाले सभी शिक्षण संस्थानों का स्वरूप संस्थागत एवं चैरिटेबल होगा, व्यक्तिगत नहीं।

2. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट से संबद्ध होने के आकांक्षी संस्थानों को सचिव के नाम से आवेदन देना होगां। आकांक्षी संस्थानों का निरीक्षण करने के बाद स्थिति अनुकूल रहने पर ट्रस्ट की बैठक में निर्णय लेकर संबद्धता प्रदान की जाएगी। संबद्धता प्राप्ति के पश्चात शिक्षण संस्था अपने नाम में कहीं न कहीं ' गुरुकुल ' शब्द जोड़ ले, यह अपेक्षा है। इससे उन्हें अपने विभिन्न कार्यों में सुविधा होगी।

3. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट से संबद्ध शिक्षण संस्थान अपने मूल स्वरूप में कायम रह सकते हैं। उनके स्वामित्व एवं आर्थिक पक्ष पर गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। संबद्ध शिक्षण संस्थानों को सिर्फ वार्षिक संबद्धता शुल्क निम्नलिखित प्रकार से देना होगा।

1. प्रथम वर्ष यह राशि 5000 रु. मात्र होगी। दूसरे वर्ष प्रति छात्र 50 रु एवं तीसरे वर्ष से पांचवे वर्ष तक 75 रु प्रति वर्ष होगी। पांच वर्ष बाद विद्यालय की आर्थक स्थिति के अनुसार इस राशि का निर्धारण होगा।

4. संबद्धता शुल्क प्रत्येक वर्ष 31 मई तक विद्यालय द्वारा ट्रस्ट को भेज देना है।

5. विद्यालय के निरीक्षण अथवा विद्यालय के किसी कार्यक्रम में ट्रस्ट के द्वारा अगर कोई अधिकारी भेजे जाते हैं तो उन्हें एक तरफ का मार्गव्यय विद्यालय की ओर से देय होगा।

6. ट्रस्ट द्वारा आयोजित राज्य/ विभाग/जिला स्तरीय कार्यक्रमों या प्रशिक्षण वर्गों में विद्यालय के कार्यकर्ताओं को भाग लेने बुलाया जाता है तो उन्हें इसमें शामिल होना आनिवार्य होगा।

संबद्ध शिक्षण संस्थाओं के लिए कार्यक्रमों का स्वरूप

1. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट अपने संबद्ध शिक्षण संस्थानों के लिए पाठ्य पुस्तकों का निर्धारण करेगा। ट्रस्ट द्वारा निर्धारित पाठ्यपुस्तकें ही विद्यालयों में चलेंगी । पुस्तकों का चयन ट्रस्ट द्वारा गठित पुस्तक चयन समिति द्वारा किया जाएगा। ट्रस्ट अपने विद्यालयों को पाठ्यक्रम उपलब्ध कराएगी तथा छात्रों की परीक्षाओं के लिए प्रश्न पत्र की व्यवस्था करेगी। पाठ्यक्रम एवं प्रश्न पत्र के लिए निर्धारित शुल्क देय होगा। परीक्षाएं (CCE Pttern) सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के आधार पर होंगी। इसी के अनुसार छात्रों को प्रगति पुस्तिका (Progress Report) दी जाएगी।

2. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट के विद्यालय सामान्यता अंग्रेजी माध्यम के होंगे। अंग्रेजी माध्यम का आशय बच्चों को अंग्रेजी भाषा का बहुत अच्छा ज्ञान देने से है । उन्हें अंग्रेजी में सामान्य वार्तालाप करने सिखाना है, अंग्रेजियत नहीं सिखानी है और न ही अंग्रजों के संस्कार सिखाने हैं। अंग्रेजी संभाषण हेतु बच्चों एवं आचार्यों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। विद्यालयों में विज्ञान और गणित की पुस्तके अंग्रेजी की होंगी।

3. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा अपने संबद्ध शिक्षण संस्थानों का समय समय पर निरीक्षण किया जाएगा और कमियों को दूर कर विकास के लिए आवश्यक योजना बनाई जाएगी।

4. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आचार्यों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ये प्रशिक्षण विद्यालय स्तर से होकर राज्य स्तरीय तक होंगे। इसमें सभी आचार्यों को शिक्षण विधि, शिक्षण कौशल, शिक्षा में नवाचार, विद्यालय को आदर्श बनाने के स्वरूप तथा शारीरिक कार्यक्रमों का प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा।

5. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट अपने संबद्ध विद्यालयों के आचार्यों के लिए कम्प्यूटर प्रशिक्षण की विशेष व्यवस्था करेगा। कम्प्यूटर शिक्षा से संबंधित सभी प्रकार का मार्गदर्शन गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा दिया जाएगा।

6. संस्था की समस्त व्यवस्थाओं को कंम्प्यूटरीकृत करने एवं संस्था का Web site बनाने हेतु गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट आवश्यक मार्गदर्शन कर इसे बनवाने की व्यवस्था करेगा।

7. पूर्व प्राथमिक कक्षाओं (Nursery, LKG, UKG & Class-I) में कम्प्यूटर द्वारा विषय शिक्षण करवाने का प्रशिक्षण एवं उसके लिए आवश्यक सॉफ्टवेयर की व्यवस्था गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा किया जाएगा।

8. शिक्षा के क्षेत्र में Digital Classes , Smart Classes की व्यवस्था विद्यालय में करवाने हेतु योग्य मार्गदर्शन कर इस पद्धति का प्रशिक्षण गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट के द्वारा दिया जाएगा।

9. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा संबद्ध संस्थाओं के सह शैक्षणिक क्रियाकलापों, यथा Parent Teachers Meet, मातृ सम्मेलन, वार्षिकोत्सव, Annual Sports, Science Fair, Quiz , School Band ;घोष वादन **Personality Development Camp** तथा विभिन्न शैक्षिक प्रतियोगिताओं आदि की व्यवस्था में सहयोग प्रदान कर इसे अच्छी तरह सम्पन्न करवाने की व्यवस्था करेगा।

10. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित प्रांत स्तर के बड़े कार्यक्रमों एवं प्रांत स्तरीय प्रतियोगिताओं में संबद्ध विद्यालय सहभागी होकर एक बड़े अभियान के अंग के रूप अपना विकास कर अपनी प्रतिष्ठा मे वृद्धि कर सकते हैं।

11. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट के द्वारा विद्यालय साहित्य एवं सामग्री विक्रय के लिए वस्तु भंडार की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। यहां से बच्चों की डायरी, बेल्ट, प्रगति पुस्तिका एवं पुस्तकें आदि अन्य उपलब्ध सामग्री क्रय की जा सकेंगी।

संबद्ध सेवा संस्थाओं के लिए कार्यक्रमों का स्वरूप

1. गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट के द्वारा सेवा कार्यों के केंद्र भी चलाए जाएंगे। समाज के ऐसे वर्ग जो अभावग्रस्त हैं एवं साक्षर नहीं होने के कारण विकास की मुख्य धारा से पिछड़ गए हैं, उनके आर्थिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास के लिए इन सेवा केंद्रों को समाज के सहयोग से विकसित किया जाएगा। इसके माध्यम से सामाजिक समरसता का भाव विकसित कर एक सबल समाज का निर्माण करना हमारा उद्देश्य है। इसके निम्नलिखित आयाम होंगे।

1. स्वयं सहायता समूह निर्माण
2. बालबाड़ी संस्कार केंद्र
3. सिलाई कटाई प्रशिक्षण केंद्र
4. स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र
5. लघु उद्योग प्रशिक्षण केंद्र
6. प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम

. विद्यालय विकास एवं सेवा कार्य के अन्य पक्षों पर समय समय पर ट्रस्ट द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त होता रहेगा।

एक आह्वान

गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट की कार्य पद्धति शिक्षा एवं सेवा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी योजना है जो पूरे बिहार और झारखंड में अपने स्वरूप को क्रमशः विकसित कर रही है। शिक्षा की यह व्यवस्था समाज के उन वर्गों की आकांक्षाओं को पूर्ण करने वाली है जो अंग्रेजी माध्यम द्वारा शिक्षा प्रदान करने और शिक्षा की आधुनिकतम तकनीकियों से युक्त शिक्षा व्यवस्था के तो आकांक्षी हैं पर अपने बच्चों को भारतीयता के संस्कार , नैतिक मूल्यों एवं आध्यात्मिकता से भी जोड़े रखना चाहते हैं। प्राच्य के प्रभाव के साथ साथ पाश्चात्य के विकसित ज्ञान का समन्वय सामान्यतया आजकल के विद्यालयों में नहीं हो पाता है। कहीं न कहीं कोई पक्ष छूट ही जाता है अथवा किसी एक पक्ष का ही प्राबल्य दीखने लगता है। पाश्चात्य ज्ञान के साथ साथ इस देश की माटी एवं संस्कृति से बालक को जोड़ने का गुरुतर दायित्व गुरुकुल फाउंडेशन ट्रस्ट ने लिया है। अभी हमारा संगठन शैशवावस्था में है पर हमारे अरमान आकाश से से भी ऊंचे हैं। हम शनैः शनैः पर सधे हुए कदमों से अपने लक्ष्य की ओर अग्रसरित हैं। हमारे हौसलों का प्रतिबिम्बन निम्न पंक्तियों में अभिव्यक्त होता है।

" नहीं जानते थे जब, अब उठने को कहा गया है,

करने को तो चलेंगे, पहुँचेंगे आसमाँ तक । "

शिक्षा और सेवा की इस अभिनव योजना में आप हमारे सहगामी बनें , इसी अपेक्षा के साथ,

GURUKUL FOUNDATION OF EDUCATION & RESEARCH

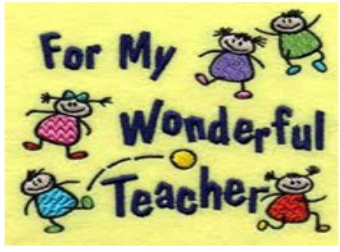

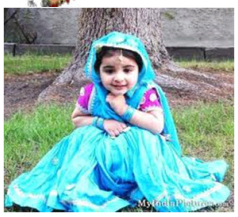

WELCOME YOU ALL